हिंदी विवि में पांच दिवसीय कौशल संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ

कर्मचारियों को सम्यक दृष्टि से काम करने की जरूरत : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह

वर्धा,18 जून 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में शिक्षकेतर कर्मचारियों के कौशल विकास हेतु 18 जून से 22 जून तक आयोजित कौशल संवर्धन कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को गालिब सभागार में किया गया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. सिंह ने विश्वास जताया कि कौशल संवर्धन

कार्यशाला के माध्यम से कर्मचारियों को नई ऊर्जा से काम करने का अवसर मिलेगा ओर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में कर्मचारी संस्थान को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, इस दिशा में उन्हें नए प्रशासनिक नियमों एवं कानूनों का परिचय होना आवश्यक है। उन्होंने कर्मियों से अपेक्षा की कि वे सम्यक दृष्टि रखकर अपने कार्य से संस्थान को नई उंचाईप्रदान करें।

उद्घाटन कार्यक्रम में मंच पर कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह, परीक्षा नियंत्रक क़ादर नवाज़ ख़ान, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहायक राजभाषा निदेशक डॉ. मुनीन्द्र मिश्र उपस्थित थे। पांच दिवसीय कार्यशाला

का निर्देशन एवं संयोजनकुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील कर रहे हैं। अपने स्वागत भाषण में प्रो. पाटील ने कहा कि भाषा का विश्वविद्यालय होने के नाते हमें अपनी भाषा को मजबूत बनाना होगा। कार्यालयीन कार्य में मसौदा, पत्र, टिप्पणी आदि सहज और सरलता से लिखने के लिए हमें इससे संबंधित नियम और कानूनोंको पढ़ना चाहिए। नई प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए अपनी भाषा और कार्यपद्धति को अधिक गति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्य में गतिशिलता देने हेतु इस प्रकार की कार्यशालाएं निरंतर आयोजित की जाएगी।

वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह ने कहा कि कर्मियों को प्रेरणा देने और काम के प्रति उनका उत्साह बना रहे इसके लिए उन्हें समय समय पर पदोन्नत किया जाना चाहिए। कर्मियों को कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय के माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण के लिए भेजा जाना चाहिए ताकि उनके कार्य में अधिक निखार आ सके। परीक्षा नियंत्रक क़ादर नवाज़ ख़ान ने कहा कि कर्मियों को फाइल के प्रति सम्यक दृष्टि रखनी चाहिए। फाइल को प्रस्तुत करते समय संबंधित नियमों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला के सह-संयोजक हिंदी अधिकारी राजेश कुमार यादव ने किया तथा अनुवादक आरती गुडधेने आभार माना। इस अवसर पर अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से किया गया तथा समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। पांच दिवसीय विभिन्न सत्रों में राजभाषा विभाग के पूर्व उपनिदेशक श्री अजय मलिक, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक डॉ. मुनीन्द्र मिश्र, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक राजभाषा श्री राहुल खटे, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, दोना पौला, गोवा के राजभाषा उपनिदेशक डॉ. राकेश शर्मा और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव कुमार रावत ने कर्मचारियों को कार्यालयीन कामकाज से संबंधित विभिन्नपहलुओं पर मार्गदर्शन करेंगे।

हिंदी विश्वविद्यालयात पाच दिवसीय कौशल संवर्धन कार्यशाळेचा शुभारंभ

कर्मचा-यांनी सम्यक दृष्टी ठेऊन काम करावे : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह

वर्धा,18 जून 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात शिक्षकेतर कर्मचा-यांकरिता 18 जून ते 22 जून दरम्यान आयोजित कौशल संवर्धन कार्यशाळेचे उद्घाटन मंगळवारी करण्यात आले. यावेळी कुलगुरु प्रो. कृष्ण कुमार सिंह आपल्या अध्यक्षीय भाषणात म्हणाले की कौशल संवर्धन कार्यशाळेच्या माध्यमातून कर्मचारी नव्या ऊर्जेने काम करतील व त्यांची कार्यक्षमताही वाढेल. कोणत्याही संस्थेला पुढे घेऊन जाण्यात कर्मचा-यांची महत्वाची भूमिका असते, त्यासाठी त्यांना नव्या प्रशासकीय नियम आणि कायद्याचे अद्ययावत ज्ञान असणे गरजेचे असते. ते म्हणाले की कर्मचा-यांनी सम्यक दृष्टी ठेऊन संस्थेला नवी उंची देण्याचे काम केले पाहिजे.

गालिब सभागृहात आयोजित उद्घाटन कार्यक्रमात कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह, परीक्षा नियंत्रक कादर नवाज खान, त्रिपुरा विश्वविद्यालयाचे सहायक राजभाषा निदेशक डॉ. मुनीन्द्र मिश्र मंचावर उपस्थित होते. पांच दिवसीय कार्यशाळेचे निर्देशन व संयोजन कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील करत आहेत. आपल्या स्वागतपर भाषणात प्रो. पाटील म्हणाले की भाषेचे विश्वविद्यालय असल्याने आपली भाषा प्रभावी असणे आवश्यक आहे. कार्यालयीन कार्यात मसुदा, पत्र, टिप्पणी ही कामे सहज व सरळपणे करता यावी यासाठी संबंधित नियम आणि कायदे वाचले पाहिजेत शिवाय नव- नव्या तंत्रज्ञानाचा उपयोग करतांना भाषा व कार्यपद्धतीतही बदल केला पाहिजे. यामुळे कामात गती येईल. यासाठी अशा प्रकारच्या कार्यशाळा आयोजित करण्याची गरज आहे, असेही ते म्हणाले.

वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह म्हणाले की कर्मचा-यांना प्रेरणा देणे आणि कामाप्रती त्यांचा उत्साह कायम ठेवणे यासाठी पदोन्नती दिली गेली पाहिजे. कर्मचा-यांना केंद्रीय कार्मिक व प्रशिक्षण मंत्रालयाच्या माध्यमातून घेण्यात येणा-या प्रशिक्षणाठीही पाठविले पाहिजे असेही ते म्हणाले. परीक्षा नियंत्रक क़ादर नवाज़ ख़ान यांनी कर्मचा-यांना सम्यक दृष्टी ठेऊन काम करण्याचा सल्ला दिला. संबंधित नियम ध्यानात घेऊनच फाइल तयार केली पाहिजे असेही त्यांनी सांगितले. कार्यक्रमाचे संचालन कार्यशाळेचे सह-संयोजक हिंदी अधिकारी राजेश कुमार यादव यांनी केले तर अनुवादक आरती गुडधे यांनी आभार मानले. यावेळी अधिकारी व कर्मचारी मोठया संख्येने उपस्थित होते.

कार्यक्रमाची सुरूवात दीप प्रज्ज्वलन व कुलगीताने झाली तर समारोप राष्ट्रगीताने करण्यात आला. पाच दिवस विभिन्न सत्रांमध्ये राजभाषा विभागाचे पूर्व उपनिदेशक श्री अजय मलिक, त्रिपुरा विश्वविद्यालयाचे सहायक निदेशक डॉ. मुनीन्द्र मिश्र, भारतीय स्टेट बॅंकेचे प्रबंधक राजभाषा श्री राहुल खटे, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, दोना पौला, गोवा येथील राजभाषा उपनिदेशक डॉ. राकेश शर्मा व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपूर येथील वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव कुमार रावत यांनी कार्यालयीन कामकाजाची संबंधित विविध बाबींवरमार्गदर्शन करतील.